दैनिक जागरण
वाराणसी, 21 जुलाई, 2023

छात्रों को समझाया भारतीय-अमेरिकी शिक्षा पद्धति का अंतर

बीएचयू में "अमेरिका में उच्च शिक्षा के अवसर" विषय पर सेमिनार

जागरण संवाददाता, वाराणसी : इंडो-अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स वाराणसी के तत्वावधान में गुरुवार को बीएचयू के अटल इंक्यूबेशन सेंटर में "अमेरिका में उच्च शिक्षा के अवसर" विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें अमेरिका से आए विशेषज्ञों ने छात्रों को भारतीय-अमेरिकी शिक्षा पद्धति का अंतर समझाया।

यूएसआइएफ दिल्ली की वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार रूपाली वर्मा व अमेरिकी दूतावास की पब्लिक एंगेजमेंट स्पेशलिस्ट गौरी कालरा, इंजीनियर डा. राकेश के पंगासा व ईटीएस इंडिया टीओईएफएल के प्रबंधक जोसेफ आगस्टीन ने छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। अमेरिकी शिक्षा संस्थानों द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

रूपाली वर्मा ने कहा कि भारतीय छात्रों की प्रतिभा और शिक्षा के प्रति लगाव की अमेरिकी शिक्षक बहुत सराहना करते हैं। मुख्य अतिथि गौरी कालरा ने कहा कि यह भारत तथा अमेरिकी छात्रों के बीच बेहतर शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक ज्ञान बढ़ाने का एक सार्थक प्रयत्न है। छात्र केवल उन्हीं संस्थाओं की सहायता लें, जिन्हें विदेशी दूतावास ने मान्यता दी है। इंडो-अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने स्वागत किया। संचालन बीएन जान व उपाध्यक्ष आलोक कुमार बरनवाल ने किया। इस अवसर पर सीए शिशिर उपाध्याय, जेपी मुन्द्रा, विनय कुमार, ब्रजेश जायसवाल व रियाजुल हुसैन आदि मौजूद रहे।

बीएचयू स्थित अटल इंक्यूबेशन सेंटर में अमेरिका में उच्च शिक्षा के अवसर पर सेमिनार में विचार व्यक्त करतीं रुपाली वर्मा

Scanned with CamScanner